



deepak



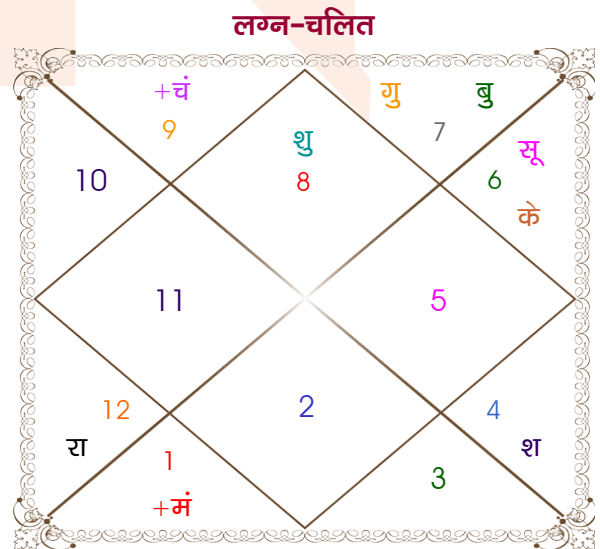
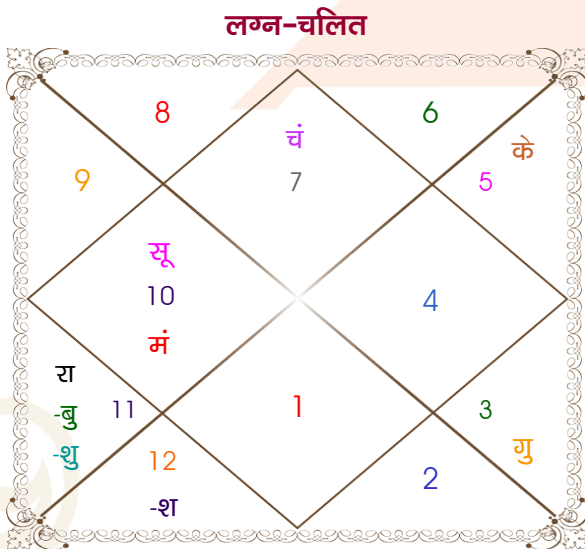
srishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121874403

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
8-09/02/2026 :	जन्म तिथि	: 11/10/2005
रवि-सोमवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 00:45:00 :	जन्म समय	: 09:45:00 घंटे
घटी 44:13:06 :	जन्म समय(घटी)	: 08:41:06 घटी
India :	देश	: India
Uttarkashi :	स्थान	: Uttarkashi
30:44:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:44:00 उत्तर
78:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:16:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:03:45 :	सूर्योदय	: 06:16:33
17:59:17 :	सूर्यास्त	: 17:50:03
24:13:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:56:11

<b>विंशोत्तरी</b>	<b>अंश</b>	<b>राशि</b>	<b>ग्रह</b>	<b>राशि</b>	<b>अंश</b>	<b>विंशोत्तरी</b>
<b>राहु 2वर्ष 10मा 21दि</b>	23:38:16	तुला	लग्न	वृश्चि	07:19:48	<b>सूर्य 4वर्ष 11मा 1दि</b>
<b>राहु</b>	25:48:34	मक	सूर्य	कन्या	24:00:56	<b>मंगल</b>
<b>09/02/2026</b>	17:51:30	तुला	चंद्र	धनु	29:03:48	<b>12/09/2020</b>
<b>31/12/2028</b>	18:37:15	मक	मंगल व	मेष	28:47:40	<b>13/09/2027</b>
00/00/0000	09:00:17	कुंभ	बुध	तुला	09:48:27	मंगल
00/00/0000	22:20:04	मिथु व	गुरु	तुला	02:49:00	राहु
00/00/0000	03:44:14	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	09:32:03	गुरु
00/00/0000	05:12:52	मीन	शनि	कर्क	15:46:32	शनि
00/00/0000	14:54:29	कुंभ	राहु व	मीन	19:40:46	बुध
09/02/2026	14:54:29	सिंह	केतु व	कन्या	19:40:46	केतु
सूर्य	13/06/2026	03:14:45	वृष	हर्ष व	कुंभ	13:25:13
चन्द्र	13/12/2027	06:08:35	मीन	नेप व	मक	20:56:57
मंगल	31/12/2028	09:43:06	मक	प्लूटो	वृश्चि	28:17:15
						चन्द्र
						13/09/2027



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

deepak का वर्ग सर्प है तथा srishti का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार deepak और srishti का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल deepak कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

srishti मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल srishti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

deepak तथा srishti में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



**shiv shakti jyotish karyalay**

sunder mani mishra

Deepak Mishra

Opposite Om medicos , Sbi Atm

gole market udhampur , jammu kashmir 182101

9596957181

deepakmishra23032@gmail.com